

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	अग्रहायण 17, बुधवार, शाके 1943-दिसम्बर 08, 2021 Agrahayana 17, Wednesday, Saka 1943- December 08, 2021	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग (क)

विज्ञप्ति

जयपुर, फरवरी 14, 2019

संख्या प.2 (6) वन\2019 :- चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन-भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्व हैं अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन-उपज अथवा उसके किसी अंश को स्वत्वधारी (Entitled) है।

और चूंकि सरकार उपर्युक्त वन-भूमि तथा बंजर-भूमि को राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 की धारा 29, उप-धारा (1) के अन्तर्गत रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करने का विचार रखती है।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्ध नहीं किये गये हैं।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उन पर सरकार या वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप के सम्बन्ध में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबद्ध किया जाना आवश्यक है, परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचाने की आशंका है।

इसलिये अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उप-धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेन्ट आफिसर, असिस्टेन्ट फोरेस्ट सेटलमेन्ट आफिसर को पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर-भूमि में या उन पर सरकारी तथा वैयक्तिक अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती है तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साध्य उसी प्रणाली में किया जायेगा जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6, 7, 8, 10, 11 (1), 12, 13, 14, 17, 18 तथा 19 में प्रावहित है।

और उक्त एक्ट की धारा 29 की उप धारा (3) परन्तुक (Provision) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखन सम्पादित होने तक उक्त वन-भूमि और बंजर-भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती है परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आयेगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के वे वृक्ष जो इसके संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं, राजपत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख से आरक्षित (Reserved) है और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों का हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहीत किया जाना अथवा उसे

किसी निर्माण प्रक्रिया का साधन बनाया जाना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि का कृषि अथवा भवन निर्माण अथवा पशु-पालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिये खण्डित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

प्रथम अनुसूची (वन-भूमि और बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,
एस. के. जैन,
शासन सचिव,
वन विभाग,
शासन सचिवालय जयपुर।

प्रथम अनुसूची

क्र. सं.	नाम ब्लाक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	विवरण									
1	सवाईपुरा-1	पीसांगन	अजमेर	उत्तर- काश्तकारों की भूमि पूर्व-वन भूमि दक्षिण- काश्तकारों की भूमि खसरा पश्चिम- खसरा संख 785 का भाग सरकारी भूमि	संयुक्त शासन सचिव राजस्व (ग्रुप-3) विभाग जयपुर के आदेश क्रमांक प.6(63) राज.-3/16 दिनांक 30.09.2016 एवं जिला कलक्टर, अजमेर के आदेश क्रमांक कअ/एफ.12(सी)/राजस्व/16/169 दिनांक 04.11.2016 के द्वारा ग्राम सवाईपुरा स्थित भूमि खसरा नं. 754/986 किस्म बाराणी 3 का रकबा निम्नानुसार है:-(वन खण्ड सवाईपुरा-1)									
					<table><tr><th>क्र. सं</th><th>खसरा नम्बर</th><th>क्षेत्रफल हैक्टर में</th></tr><tr><td>1</td><td>754/986</td><td>12.75</td></tr><tr><td></td><td>Total</td><td>12.75</td></tr></table>	क्र. सं	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल हैक्टर में	1	754/986	12.75		Total	12.75
क्र. सं	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल हैक्टर में												
1	754/986	12.75												
	Total	12.75												

नोट: राजस्थान राज पत्र दिनांक के भाग में पृष्ठ संख्या में प्रकाशित हुआ।

क्षेत्रीय वन अधिकारी
पुष्कर

(अजय चितौड़ा)
उप वन संरक्षक
अजमेर

द्वितीय अनुसूची

क्र.सं.	नाम प्रजाति (स्थानीय)	नाम प्रजाति (बोटैनिकल)
1.	अकेशिया टोर्टलीस	<i>Acacia tortilis</i> (अकेशिया टोर्टलीस)
2.	कुमठा	<i>Acacia senegal</i> (अकेशिया सेनेगल)
3.	खेजड़ी	<i>Prosopis cineraria</i> (प्रोसोफिस सिनरेरिया)

क्षेत्रीय वन अधिकारी
पुष्कर

(अजय चितौड़ा)
उप वन संरक्षक
अजमेर

प्रारम्भिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उप वन संरक्षकद्वारा प्रमाण पत्र
(जो लागू नहीं होता है उसे काट दें)

वनखण्ड-सवाईपुरा-1

रेंज-पुष्कर

वन मंडल-अजमेर

1. संलग्न प्रारूप में दर्शायी गई भूमि का वर्गीकरण क्रमशः गैर मुमकिन पहाड़/गैर मुमकिन भाखर/मगरा/गैर कृषि पायती है जिसे विज्ञप्ति के कालम 6 में विस्तृत रूप से खसरा नम्बरों का विवरण दर्शाया गया है।
2. वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में बिना नाम दर्ज है तथा मौके पर विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में विकास कार्य कराया गया है /कराना है। इनमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है। क्षेत्र को आरक्षित/रक्षित वन घोषित करने के लिये जिला कलेक्टर से सहमति प्राप्त कर ली गई है, तथा प्रस्ताव के साथ संलग्न है।
3. वर्तमान में कुछ क्षेत्रों में क्रमशः.....प्लांटेशन एवं अन्य विकास कार्य वर्ष.....से..... में कराये गये हैं। इनमें कोई खनन कार्य नहीं हुआ है। भविष्य में अन्य क्षेत्रों में भी विकास कार्य कराये जाने की संभावना है।
4. भूमि पर वृक्षों का घनत्व कुछ क्षेत्रों मेंहै तथा कुछ क्षेत्रों में नगण्य है। इस वनखण्ड में प्रमुख प्रजातियाँ..... का लगभग प्रतिशत क्रमशः है, तथा कुछ क्षेत्रों में घनत्व नगण्य है।
5. समीपवर्ती स्थित क्षेत्र..... (राजस्व बंजर/चरागाह/खातेदारी/वन) भूमि है, तथा चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कालम संख्या 5 में कर दिया गया है।
6. वनखण्डों के वांछित मानचित्र (नक्शे) संलग्न है, एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप हैं। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्शे में लाल स्याही से इंगित किया गया है।
7. प्रस्तावित वनों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं, किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है, जिसमें कि इन भूमियों पर वन विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सके।
8. उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

क्षेत्रीय वन अधिकारी
पुष्कर

(अजय चितौड़ा)
उप वन संरक्षक
अजमेर